

संस्कृत – सामान्यम्
कक्षा – द्वादशी

पाठ्यवस्तु

अंक विभाजन = 100

गद्य	—	10	शब्दरूप	—	3
पद्य	—	10	धातुरूप	—	3
प्रश्नोत्तर	—	5	सन्धि	—	3
लघुत्तरीय	—	5	समास	—	4
एकपदेन	—	5	अव्यय	—	4
रिक्त स्थान	—	5	शुद्धाशुद्ध	—	3
जोड़िया	—	5	प्रत्यय	—	6
अपठित	—	10	पत्र	—	4
सुभाषित	—	5	निबन्ध	—	10
योग	—	60	योग	—	40

नोट :- उपरोक्त पाठ्य वस्तु के लिए कालखण्ड — 160
पुनरावृत्ति — 20
योग — 180

संस्कृतम् – सामान्यम्

कक्षा – द्वादशी

खण्ड 'क'

इकाई – 1

(अपठितस्य अंशस्य अवबोधनम्)

- i) 80–100 शब्दानां अपठितः गद्यांशः तदाधारित प्रश्न-वैविध्यम्।
- ii) एक पदेन उत्तरम्
- iii) पूर्णवाक्येन उत्तरम्
- iv) सर्वनामस्य स्थाने संज्ञा प्रयोगः
- v) विशेषण-विशेष्य-पर्याय-विलोमादि शब्द चयनम्।
- vi) उपयुक्तशीर्षकः

खण्डः 'ख'

(संस्कृते-रचनात्मकं लिखितकार्यम्)

- i) अनौपचारिक पत्रम्/प्रार्थनापत्रम्।
- ii) लघुकथा (शब्दसूची साहाय्येन रिक्तस्थानपूर्ति माध्यमेन च)
- iii) संकेताधारितम् अनुच्छेद लेखनम् (निर्दिष्ट शब्द प्रयोगेण)
- iv) सांकेतिक विषयम् अधिकृत्य संस्कृते निबन्ध लेखनम्।

खण्डः 'ग'

(सन्धिकार्यम्-प्रत्ययप्रयोगः)

- i) स्वर संधिः :- दीर्घः, गुणः, वृद्धिः, यण्, अयादिः, पूर्वरूपः।
व्यंजन संधिः :- श्चुत्त्व, ष्टुत्त्व, चर्त्त्व, अनुस्वारः, परसवर्णः, जश्त्वं।
विसर्ग संधिः :- 'षत्वं, उत्त्वं, रकारः, लोपः।
- ii) पाठाधारितः समस्तपदानां विग्रहः नामलेखनम्।
- iii) प्रत्ययाः (अधोलिखित प्रत्ययानां योगेन वाक्यरचना, रिक्तस्थानपूर्तिश्च)
(अ) कृत-क्त, क्तवतु, क्त्वा, तुमुन्, ल्यप्, तव्यत्, अनीयर्, क्तिन्, शतृ, शानच्।
(ब) तद्धित प्रत्ययाः -मतुप्, इन, ठक्, ठन्, त्व, तल
- iv) अन्वितिः-कर्ता-क्रिया अन्वितिः, विशेषण-विशेष्योः अन्वितिः, उपपद विभक्ति प्रयोगः

(खण्ड-घ) I

(अ) (अपठित अंशावबोधनम्)

1. गद्यांशः
2. पद्यांशः
3. नाट्यांशः (सरलसंस्कृते-भावार्थ लेखनम्)

(ब)

1. प्रश्नवैविध्यम्
 2. एकपदेन उत्तरम्
 3. पूर्णवाक्येन उत्तरम्
- विशेषणः -विशेष्ययोः अन्वितिः पर्यायविलोमादि चयनम्, सर्वनाम स्थाने संज्ञा प्रयोगः

इकाई –6

(अ)

- i) शब्दसूची की सहायता से प्रदत्त पद्यांश में रिक्त स्थान की पूर्ति
- ii) उद्धृत अंशों का प्रसंग एवं सन्दर्भ लेखन, कौन कि किससे कहता है।
सन्दर्भ ग्रन्थ और लेखक का नामोल्लेख।

- iii) दिये गये भावार्थों में से शुद्ध भावार्थ का चयन, रिक्त स्थान की पूर्ति
- iv) उद्धृत श्लोकों के अन्वयों में रिक्त स्थान की पूर्ति।
- v) प्रदत्त वाक्यांशों का सार्थक संयोजन।

खण्ड 'घ' (भाग II)

1. शब्दसूची सहायतया प्रदत्त पद्यांशे रिक्तस्थानपूर्ति:।
2. उद्धृतस्य अंशस्य सन्दर्भप्रसंगौ, कः कं कथयति
3. संस्कृत में गद्य-पद्य-नाटक प्रकरण-प्रहसनादि विद्याओं की मुख्य विशेषताओं का परिचय।
4. शुद्धभावार्थ चयनम्, रिक्तस्थानपूर्ति:।
5. श्लोकानाम् अन्वय पूर्ति:।
6. प्रदत्त वाक्यांशानां सार्थकं संयोजनम्।

खण्ड 'घ' (भाग III)

(संस्कृत साहित्यस्य सामान्य परिचयः)

1. वैदिक साहित्यस्य परिचयः
2. पाठ्यपुस्तकाधारित कवीनां साहित्यकाराणां संस्कृतेन् परिचयः
3. संस्कृतस्य गद्य-पद्य-नाटक-काव्यादि विधानां सामान्य परिचयः।

पाठ्यपुस्तक का नाम — अपूर्वा।

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संकलित एवं निर्मित तथा मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित।